अनेकांत एज्युकेशन सोसाइटी

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(स्वायत्त)

हिंदी विभाग

स्नातक द्‍वितीय वर्ष कला प्रोग्राम हिंदी में

(कला संकाय)

सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम

स्नातक द्‍वितीय वर्ष कला (हिंदी) सेमेस्टर-III

चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम सिलेबस (2022 पैटर्न)
शैक्षणिक वर्ष 2023-2024 से लागू किया जायेगा

कार्यक्रम का शीर्षक : स्नातक द्वितीय वर्ष कला (हिंदी)

Programme Outcomes (PO)

Program Outcomes (POs) for B.A Programme in Hindi

PO1	**अनुसंधान-संबंधित कौशल** : चुने हुए क्षेत्र और संबद्ध विषयों में अनुसंधान और उच्च शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए अवसर की तलाश है और अनुसंधान नैतिकता, बौद्धिक संपदा अधिकारों और साहित्यिक चोरी के मुद्दों के बारे में जागरूक है। प्रासंगिक, उचित प्रश्न पूछने के लिए पूछताछ की भावना और क्षमता प्रदर्शित करें । किसी अनुसंधान परियोजना के परिणामों की योजना बनाने, निष्पादित करने और रिपोर्ट करने की क्षमता, चाहे क्षेत्र में हो या ना हो वह निगरानी में रहें।
PO2	**प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :** सहानुभूतिपूर्ण सामाजिक सरोकार प्रदर्शित करें और समता केन्द्रित राष्ट्रीय विकास और नैतिक मुद्दों के बारे में जागरूकता के साथ कार्य करने और पेशेवर नैतिकता और जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्ध होने की क्षमता विकासित करें।।
PO3	**सामाजिक क्षमता :** व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में अच्छे पारस्परिक संबंध बनाने के लिए स्वयं को स्पष्ट और सटीक रूप से व्यक्त करें। वास्तविक और आभासी में स्वयं को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त करने के लिए भाषाई दक्षताओं का प्रभावी उपयोग करें मीडिया समूह सेटिंग में बहु सांस्कृतिक संवेदनशीलता प्रदर्शित करें।
PO4	**अनुशासनात्मक ज्ञान :** पारंपरिक अनुशासन ज्ञान और आधुनिक दुनिया में इसके अनुप्रयोगों का मिश्रण प्रदर्शित करें। मजबूत सैद्धांतिक क्रियान्वित करें और चुने गए कार्यक्रम से उत्पन्न व्यावहारिक समझ विकासित करें।
PO5	**व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :** मजबूत कार्य दृष्टिकोण और पेशेवर कौशल से लैस करें। जो उन्हें स्वतंत्र रूप से काम करने में सक्षम बनाएगा।
PO6	**स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :** संलग्न रहने की क्षमता हासिल करें सामाजिक-तकनीकी परिवर्तन के व्यापक संदर्भ में स्वतंत्र और जीवन भर सीखना।
PO7	**पर्यावरण और स्थिरता :** सामाजिक और पर्यावरणीय संदर्भों में वैज्ञानिक समाधानों के प्रभाव को समझें और ज्ञान का प्रदर्शन करें।
PO8	**आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :** आलोचनात्मक सोच के कौशल का प्रदर्शन करें और अपने क्षेत्र में स्थित समस्याओं से निपटने के लिए उच्चक्रम के संज्ञानात्मक कौशल का उपयोग करें। सामाजिक वातावरण, व्यवहार्य समाधान, प्रस्तावित करना और इसके कार्यान्वयन में सहायता करना।

Course Structure for S.Y.B.A.,Hindi (2022 Pattern)

Sem	Course Type	Course Code	Course Title	Theory/ Practical	No. of Credits
III	Major (Mandatory)	UAHN231	हिंदी सामान्य.2	Theory	03
	Major (Mandatory)	UAHN232	काव्यशास्त्र (हिंदी विशेष– 1)	Theory	03
	Major (Mandatory)	UAHN233	हिंदी विशेष–उपन्यास तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य)	Theory	03
			Total Credits Semester-III		**09**

स्नातक द्वितीय वर्ष कला[SYBA] SEMISTER – III

सामान्य हिंदी

PAPER CODE : UAHN 231

SYLLABUS FOR SYBA

[Pattern - 2022]

Name of the Programme	: SYBA Hindi
Program Code	: UAHN
Class	: SYBA
Semester	: III
Course Type	: Theory
Course Name	: सामान्य हिंदी
Course Code	: UAHN 231
No. of Lectures	: 48
No. of Credits	: 03

a) उद्देश्य (Course Objectives):

1. छात्रों को हिंदी के प्रतिनिधि कहानीकारों एवं कवियों से परिचित कराना।
2. छात्रों को हिंदी कहानी एवं नई कविता की विशेषताओं से परिचित कराना।
3. छात्रों को हिंदी के कार्यालयीन एवं व्यावहारिक पत्रों के स्वरूप का ज्ञान देना।
4. छात्रों को पारिभाषिक शब्द, विज्ञापन, भेंटवार्ता/साक्षात्कार, रिपोर्ट लेखन से परिचित कराना।
5. हिंदी भाषा के व्यावहारिक क्षेत्रों से परिचित कराना।
6. छात्रों को हिंदी शब्द–युग्म का ज्ञान कराना।
7. छात्रों को मूल्यों से परिचित कराना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-छात्र हिंदी के प्रतिनिधि कहानीकारों एवं कवियों से परिचित होंगे।

CO2-छात्र हिंदी कहानी एवं नई कविता की विशेषताओं से परिचित होंगे।

CO3-छात्रों को हिंदी के कार्यालयीन एवं व्यावहारिक पत्रों के स्वरूप का ज्ञान होगा।

CO4-छात्र पारिभाषिक शब्द, विज्ञापन, भेंटवार्ता/साक्षात्कार, रिपोर्ट लेखन से परिचित होंगे।

CO5-हिंदी भाषा के व्यावहारिक क्षेत्रों से परिचित होंगे।

CO6-छात्रों को हिंदी शब्द–युग्म का ज्ञान होगा।

CO7-छात्र मूल्यों से परिचित होंगे।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. कहानी समीक्षा के विविध आयाम उद्घाटित करना।
3. पत्रों के नमूनों का छात्रोंद्वारा संकलन।
5. वाक्य शुद्धीकरण पर आधारित वस्तुनिष्ठ परीक्षाओं का कक्षा में आयोजन।
6. दृक–श्राव्य माध्यमों/संगणक तथा इंटरनेट आदि का प्रयोग।

द्वितीय वर्षकला [SYBA]

SEMISTER – III

हिंदी सामान्य –2

HINDI GENERAL - 2

PAPER CODE :UAHN 231

(कहानी, काव्य एवं लेखन)

(शैक्षिक वर्ष : 2023–24 से)

पाठ्यक्रम

पाठ्य पुस्तकें :

1) हिंदी साहित्य और भाषा–संपादक प्रो.डॉ. सदानंद भोसले
प्रकाशक–राजकमल प्रकाषन प्रा.लि.
1–बी,नेताजी सुभाष मार्ग,दरियागंज नई दिल्ली–110002

इकाईनं	पाठ्यविषय :	क्रेडिट	तासिकाएँ
1) गद्य	1) दूसरे–कमलेश्वर 2) सलाम–ओमप्रकाश वाल्मिकी 3) प्रेम की बिरादरी–हरिशंकर परसाई 4) अफसर– शरद जोशी 5) सावधान! हम इमानदार है–लतिफ घोघी	01	16
2) पद्य	1) नाच–अज्ञेय 2) देश कागज पर बना नक्शा नहीं होता –सर्वेश्वरदयाल सक्सेना 3) हॉकी खेलती लडकियॉ–कात्यायनी 4) विद्वान लोग़–उदय प्रकाश 5) कितनी रोटी–अशोक चक्रधर	01	16
3) पाठ्य–पुस्तकेतर पाठ्यक्रम	क. शब्द युग्म (50) अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग ख. संक्षेपण ग. साक्षात्कार	01	16

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी के प्रतिनिधि कवि–डॉ. दयानंद शर्मा
2. कहानी नई कहानी–डॉ. नामवर सिंह
3. नई कहानी की भूमिका–कमलेश्वर
4. नई कहानी संदर्भ और प्रकृति–देवीशंकर अवस्थी
5. समकालीन हिंदी कहानी–डॉ. पुष्पपाल सिंह
6. नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर–डॉ. संतोषकुमार तिवारी
7. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि–द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
8. प्रयोजनमूलक हिंदी : अधुनातन आयाम–डॉ. अंबादास देशमुख
9. व्यावहारिक हिंदी भाग 1 और 2 –डॉ. ओमप्रकाश मित्तल
10. प्रारूपण, शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन–विधि : राजेंद्रप्रसाद श्रीवास्तव
11. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. गोरक्ष थोरात, निराली प्रकाशन, पुणे

क. शब्द–युग्म (समोच्चरित भिन्नार्थक शब्द)

अ. क्र.	शब्द–अर्थ	शब्द–अर्थ
1.	अन्न–अनाज	अन्य –दूसरा
2.	अश्व– घोड़ा	अश्म–पत्थर
3.	अभय –निर्भय	उभय –दोनों
4.	अलि–भ्रमर/भौंरा	अली– सखी/सहेली
5.	अवधि – समय/काल	अवधी–अवध देश की भाषा
6.	कुल–वंश	कूल–किनारा
7.	कर्ण–कान/एक नाम	करण– एक कारक/इंद्रिय
8.	अनिल–पवन/हवा	अनल–अग्नि
9.	अथक–बिनाथ के हुए	अकथ–जो कहानहीं जाए
10.	अनभिज्ञ–अनजान	अभिज्ञ–जाननेवाला
11.	किला– गढ़	कीला–बड़ीकील/काँटा
12.	छत्र –छाता	छात्र –विद्यार्थी
13.	चिर–पुराना	चीर–कपड़ा
14.	जऱा–थोड़ा	जरा–बुढ़ापा
15.	तरी–नाव	तर–गीलापन
16.	बहु–बहुत	बहू–पुत्रवधू
17.	भवन–महल	भुवन–संसार
18.	मनुज–मनुष्य	मनोज–कामदेव
19.	मणि–रत्न	मणी –सर्प
20.	रंग–वर्ण	रंक–दरिद्र
21.	विधायक–विधान रचने/ बनानेवाला	विधेयक–विधान/कानून
22.	सुर–देवता/लय	सूर–अंधा/सूर्य
23.	सर्ग– अध्याय	स्वर्ग–तीसरा लोक

24.	हरि–विष्णु	हरी–हरेरंग की
25.	निसान–झंडा	निशान–चिह्न
26.	पानी–जल	पाणि–हाथ
27.	पवन–वायु	पावन–पवित्र
28.	प्रण–प्रतिज्ञा	प्राण–जान
29.	प्रवाह–बहाव(नदी का)	परवाह–चिंता
30.	बलि–बलिदान	बली–वीर
31.	बात–वचन	वात–हवा
32.	सुचि–पवित्र	सूचि–सुई/सूचना करनेवाला
33.	राज– शासन	राज़ –रहस्य
34.	लक्ष्य –उद्देश्य/निशान	लक्ष –लाख
35.	सदेह–देह के साथ	संदेह– शक
36.	अध्ययन– पढ़ना	अध्यापन– पढ़ाना
37.	दिन–दिवस	दीन–गरीब
38.	परिणाम–फल/नतीजा	परिमाण–मात्रा
39.	प्रणाम–नमस्कार	प्रमाण–सबूत/नाप
40.	आदि–आरंभ/इत्यादि	आदी–अभ्यस्त
41.	इत्र –सुगंधित द्रव्य	इतर–दूसरा
42.	उपकार–भलाई	अपकार–बुराई
43.	कृति–रचना	कृती– निपुण/पुण्यात्मा
44.	कलि–कलियुग	कली– अधखिला फूल
45.	कहा 'कहना' क्रियाका भूतकाल	कहाँ –स्थाननिर्देशक अव्यय
46.	काटा– 'काटना' क्रियाका भूतकाल	काँटा–नुकीला अंकुर
47.	ग्रह–सूर्य,चंद्रआदि	गृह– घर
48.	जलज–कमल	जलद–बादल
49.	तनु–पुत्र/गाय	तनू–दुबला/पतला
50.	दिवा–दिन	दीवा–दीया/दीपक

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **SYBA** (Sem III) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**: UAHN231 **Tittle of Course : हिंदी सामान्य-2**

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1						3			
CO 2									
CO 3				3	3	3			
CO 4					3	2			
CO 5			3		3	2			
CO 6				2					
CO 7		3	3						
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल :

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO7- छात्र मूल्यों से परिचित होंगे।

PO3: सामाजिक क्षमता :

CO5- हिंदी भाषा के व्यावहारिक क्षेत्रों से परिचित होंगे।

CO7- छात्र मूल्यों से परिचित होंगे।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

CO3- छात्रों को हिंदी के कार्यालयीन एवं व्यावहारिक पत्रों के स्वरूप का ज्ञान होगा।

CO6- छात्रों को हिंदी शब्द-युग्म का ज्ञान होगा।

PO5: व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :

CO3- छात्रों को हिंदी के कार्यालयीन एवं व्यावहारिक पत्रों के स्वरूप का ज्ञान होगा।

CO4- छात्र पारिभाषिक शब्द, विज्ञापन, भेंटवार्ता / साक्षात्कार, रिपोर्ट लेखन से परिचित होंगे।

CO5- हिंदी भाषा के व्यावहारिक क्षेत्रों से परिचित होंगे।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO1- छात्र हिंदी के प्रतिनिधि कहानीकारों एवं कवियों से परिचित होंगे।

CO3- छात्रों को हिंदी के कार्यालयीन एवं व्यावहारिक पत्रों के स्वरूप का ज्ञान होगा।

CO4- छात्र पारिभाषिक शब्द, विज्ञापन, भेंटवार्ता / साक्षात्कार, रिपोर्ट लेखन से परिचित होंगे।

CO5- हिंदी भाषा के व्यावहारिक क्षेत्रों से परिचित होंगे।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

<u>स्नातक द्वितीय वर्ष कला</u>[SYBA] SEMISTER – III

काव्यशास्त्र(हिंदी विशेष– 1)

PAPER CODE : UAHN 232

SYLLABUS FOR SYBA

[Pattern - 2022]

Name of the Programme	: SYBA Hindi
Program Code	: UAHN
Class	: SYBA
Semester	: III
Course Type	: Theory
Course Name	: काव्यशास्त्र (हिंदी विशेष– 1)
Course Code	: UAHN 232
No. of Lectures	: 48
No. of Credits	: 03

a) उद्देश्य (Course Objectives):

1. काव्यशास्त्र का महत्व समझाना।
2. छात्रों को काव्य (साहित्य) की परिभाषाओं द्वारा काव्य के स्वरूप के साथ काव्य हेतु तथा काव्य के प्रयोजनों का ज्ञान कराना।
3. छात्रों को काव्य के तत्व, काव्य के भेद तथा शब्दशक्ति का ज्ञान कराना।
4. छात्रों को अलंकार, छंदों के स्वरूप के साथ उनका सोदाहरण परिचय कराना।
5. छात्रों को गद्य भेदों के साथ नाटक, एकांकी और निबंध के स्वरूप एवं तत्वों की जानकारी देना।
6. छात्रों को रस का स्वरूप, रस के अंगों एवं भेदों का परिचय देना।
7. छात्रों को आलोचना का स्वरूप, आलोचना की उपयोगिता और आलोचक के गुणों से परिचित कराना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-काव्यशास्त्र का महत्व समझेंगे।

CO2-छात्रों को काव्य (साहित्य) की परिभाषाओं द्वारा काव्य के स्वरूप के साथ काव्य हेतु तथा काव्य के प्रयोजनों से परिचित होंगे।

CO3-छात्र काव्य के तत्व, काव्य के भेद तथा शब्दशक्ति से परिचित होंगे।

CO4-छात्रों को अलंकार, छंदों के स्वरूप के साथ उनके सोदाहरण से परिचित होंगे।

CO5-छात्रों को गद्य भेदों के साथ नाटक, एकांकी और निबंध के स्वरूप एवं तत्वों की जानकारी होंगी।

CO6-छात्रों को रस का स्वरूप, रस के अंगों एवं भेदों का परिचय होगा।

CO7-छात्रों को आलोचना का स्वरूप, आलोचना की उपयोगिता और आलोचक के गुणों का परिचय होगा।

अध्यापन पद्धति :

1. स्वाध्याय।
2. भारतीय काव्यशास्त्र का सैद्धांतिक एवं अनुप्रयोगात्मक अध्ययन।
3. व्याख्यान, विवेचन तथा विश्लेषण।
4. दृक–श्राव्य माध्यमों/संगणक तथा इंटरनेट आदि साधनों का प्रयोग।
5. काव्यशास्त्र पर संगोष्ठी तथा समूह चर्चा का आयोजन।
6. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।
7. अतिथियों के व्याख्यान।

द्वितीय वर्ष कला [SYBA]

SEMISTER – III

हिंदी विशेष–1

HINDI SPECIAL - 1

PAPER CODE :UAHN 232

काव्यशास्त्र

(शैक्षिक वर्ष : 2023–24 से)

पाठ्यक्रम

तृतीय सत्र

इकाई नं	पाठ्यविषय	क्रेडिट
इकाई–I	काव्य : अर्थ, संस्कृत, हिंदी तथा अंग्रेजी परिभाषाएँ,स्वरूप। काव्य–हेतु–प्रतिभा,व्युत्पत्ति, अभ्यास, समाधि काव्य प्रयोजन (भारतीय)	1
इकाई–II	काव्य के तत्व – भावतत्व, बुद्धि तत्व, कल्पना तत्व,शैली तत्व शब्दशक्ति–परिभाषा स्वरूप शब्दशक्तियों का सोदाहरण परिचय–अभिधा, लक्षणा, व्यंजना	1
इकाई–III	अ)रस : परिभाषा, स्वरूप, रस के अंग–स्थायीभाव ,विभाव, अनुभाव, संचारीभाव। रसों का सोदाहरण परिचय –श्रृंगार, वीर, हास्य, करूण आ) अलंकार–परिभाषा, स्वरूप ,महत्त्व, लक्षण, अलंकार परिचय– 1. शब्दालंकार : अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति। 2. अर्थालंकार : उपमा, दृष्टांत, अतिशयोक्ति।	1

संदर्भ ग्रंथ :

1. काव्यशास्त्रः डॉ. भगीरथमिश्र
2. काव्य के तत्वः आ. देवेंद्रनाथ वर्मा
3. साहित्य विवेचन : क्षेमचंद्रसुमन/योगेंद्रकुमार मल्लिक
4. साहित्यशास्त्र परिचयः डॉ. सुधाकर कलवडे
5. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
6. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. सुरेशकुमारजैन/प्रा.महावीर कंडारकर
7. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. जितेंद्रनाथ मिश्र
8. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त
9. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. योगेंद्रप्रताप सिंह
10. भारतीय काव्यशास्त्र : सिद्धांत : डॉ. कृष्णदेव झारी
11. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत : डॉ. सुरेश अग्रवाल
12.समीक्षा शास्त्र के भारतीय मानदंड : डॉ. रामसागर त्रिपाठी
13. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्रः डॉ. यतींद्र तिवारी
14. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. देवराजसिंह भाटी

15. काव्य–प्रदीप : पं. रामबहोरी शुक्ल
16. काव्यांग प्रकाश : डॉ. विजयपाल सिंह
17. काव्यांग–कौमुदी : पं. विश्वनाथप्रसाद मिश्र
18. भारतीय काव्यशास्त्र : का अध्ययन : डॉ. विश्वंभरनाथ उपाध्याय
19. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. सत्यदेव चौधरी
20. काव्यशास्त्र : डॉ. सुरेशकुमार जैन / डॉ. गोरक्ष थोरात
21.आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना–डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद
22. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. व्ही. एन. भालेराव
23. काव्यशास्त्र : प्रा. माधुरी नगरकर, क्षितिज प्रकाशन, पुणे

———————

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **SYBA** (Sem III) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**: UAHN232

Tittle of Course : काव्यशास्त्र **Weightage**:

1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1						3			
CO 2		3							
CO 3									
CO 4									
CO 5			3		3	3			
CO 6			3						
CO 7	3				2			3	
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल :

CO7- छात्रों को आलोचना का स्वरूप, आलोचना की उपयोगिता और आलोचक के गुणों कापरिचय होगा।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO2- छात्रों को काव्य (साहित्य) की परिभाषाओं द्वारा काव्य के स्वरूप के साथ काव्य हेतु तथा काव्य के प्रयोजनों से परिचित होंगे।

PO3: सामाजिक क्षमता :

CO5- छात्रों को गद्य भेदों के साथ नाटक, एकांकी और निबंध के स्वरूप एवं तत्वों की जानकारी होंगी।

CO6- छात्रों को रस का स्वरूप, रस के अंगों एवं भेदों का परिचय होगा।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5: व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :

CO5- छात्रों को गद्य भेदों के साथ नाटक, एकांकी और निबंध के स्वरूप एवं तत्वों की जानकारी होंगी।

CO7- छात्रों को आलोचना का स्वरूप, आलोचना की उपयोगिता और आलोचक के गुणों का परिचय होगा।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO1- काव्यशास्त्र का महत्व समझेंगे।

CO5- छात्रों को गद्य भेदों के साथ नाटक, एकांकी और निबंध के स्वरूप एवं तत्वों की जानकारी होंगी।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

CO7- छात्रों को आलोचना का स्वरूप, आलोचना की उपयोगिता और आलोचक के गुणों का परिचय होगा।

....

स्नातक द्वितीय वर्ष कला [SYBA] SEMISTER – III
हिंदी विशेष– 2
(उपन्यास तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य)
PAPER CODE : UAHN 233
SYLLABUS FOR SYBA
[Pattern - 2022]

Name of the Programme	: SYBA Hindi
Program Code	: UAHN
Class	: SYBA
Semester	: III
Course Type	: Theory
Course Name	: हिंदी विशेष– 2 (उपन्यास तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य)
Course Code	: UAHN 233
No. of Lectures	: 48
No. of Credits	: 03

a) उद्देश्य (Course Objectives):

1. हिंदी उपन्यास एवं नाटक के विविध मानदंडों के आधार पर छात्रों में समीक्षण की क्षमता निर्माण करना।
2. छात्रों में हिंदी उपन्यास एवं नाटक के आस्वादन की क्षमता विकसित करना।
3. मध्ययुगीन संत एवं भक्तों के काव्य से छात्रों को परिचित कराना।
4. मध्ययुग के प्रतिनिधि कवियों के योगदान के विविध आयामों से छात्रों को परिचित कराना।
5. साहित्य कृतियों के माध्यम से साहित्य के शिल्प एवं सौदर्य से परिचित कराना।
6. विभिन्न समस्याओं से परिचित कराना।
7. समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1- हिंदी उपन्यास एवं नाटक के विविध मानदंडों के आधार पर छात्रों में समीक्षण की क्षमता निर्माण होंगी।

CO2-छात्रों में हिंदी उपन्यास एवं नाटक के आस्वादन की क्षमता विकसित होंगी।

CO3-मध्ययुगीन संत एवं भक्तों के काव्य से छात्र परिचित होंगे।

CO4-मध्ययुग के प्रतिनिधि कवियों के योगदान के विविध आयामों से छात्र परिचित होंगे।

CO5-साहित्य कृतियों के माध्यम से साहित्य के शिल्प एवं सौदर्य से परिचित होंगे।

CO6-विभिन्न समस्याओं से परिचित होंगे।

CO7-समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होंगी।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. प्रथम सत्र में स्वाध्याय लेखन लेना।
3. द्वितीय सत्र में आलेख लेखन तथा मौखिकी का आयोजन।
4. नाटक का छात्रों द्वारामंचन।
5. दृक–श्राव्य माध्यमों/संगणक तथा इंटरनेट आदि साधनों का प्रयोग।
6. अतिथियों के व्याख्यान, संगोष्ठी तथा समूह चर्चा का आयोजन।
7. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।

द्वितीय वर्ष कला[SYBA]

SEMISTER – III

हिंदी विशेष–2

HINDI SPECIAL - 2

PAPER CODE : UAHN 233

हिंदी विशेष– 2

(उपन्यास तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य)

पाठ्यक्रम

(शैक्षिक वर्ष : 2023–24 से)

तृतीय सत्र

पाठयपुस्तकें :

1. उपन्यास : अंतिम साक्ष –चंद्रकान्ता

   प्रकाशन : अमन प्रकाशन,104A/80Cरामबाग कानपुर–208012

2. कबीर ग्रंथावली–संपा. श्यामसुंदरदास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।

3.मीराबाई की पदावली–संपा. परशुराम चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशन, नईदिल्ली।

इकाईनं	पाठ्यविषय	क्रेडिट	तासिकाएँ
इकाई–I	**कबीर के 20 दोहे** **i)गुरुदेवकोअंग** 1. सतगुर की महिमाअनँत, अनँतकियाउपगार। लोचनअनँतउघाड़िया, अनँतदिखावणहार।। 2. पीछैंलागाजाइथा, लोकवेद के साथी। आगैंथैसतगुरमिल्या, दीपकदियाहाथी। 3. जाकागुरभीअंधला, चेला खरानिरंध। अंधाअंधाठेलिया, दून्यूँ कूपपडंत।। 4. मायादीपकनरपतँग, भ्रमिभ्रमिइवैपडंत। कहैकबीरगुरग्यानथै, एक आध उबरंत।। 5. सतगुरहमसूँ रीझिकरि, एक कहयाप्रसंग। बरस्याबादलप्रेमका, भीजिगयासबअंग।। **ii)विरहकोअंग** 1. बहुतदिननकीजोवती, बाटतुम्हारीराम। जिवतरसैतुझमिलनकूँ मनिनाहींविश्राम।। 2. यहुतनजालौंमसिकरौं, लिखौंरामकानाउँ। लेखणिं करूँ करंक की, लिखि लिखि रामपठाउँ।। 3. अंषड़ियाँ झाईंपड़ी, पंथनिहारिनिहारि। जीभड़ियाँ छालापड़या, रामपुकारिपुकारि।। 4. परबति, परबतिमैंफिरया, नैंनगँवायेरोइ। सोबूटीपाऊँ नहीं, जातैंजीवनिहोइ।। 5. सुखियासबसंसारहै, खायैं अरू सोवै। दुखियादासकबीरहै, जागै अरू रावै।।	1	15

	iii)मायाकोअंग 1. कबीरमायापापणीं, फंध लैबैठिहाटि। सबजगतौफंधैपड़या, गयाकबीराकाटि।। 2. कबीरमायामोहनी, जैसीमीठी खाँड। सतगुर की कृपाभई, नहींतौकरतीभांड़।। 3. मायामुईनमनमुवा, मरिमरिगयासरीर। आसातिश्णाँ नाँ मुई, यौंकहिगयाकबीरा।। 4. कबीरसो धनसंचिए, जोआगैंकूँ होई। सीस चढ़ाए पोटली, लेजात न देख्या कोई।। 5. कबीरमायामोह की, भई अँधारीलोइ। जेसूतेतेमुसिलिये, रहेबसतकूँ रोइ।। **iv)निंद्याकोअंग** 1. निंदकनेड़ाराखिये, आँगणिकुटी बँधाइ। बिनसाबणपाँणींबिना, निरमलकरैसुभाइ।। 2. कबीरआपठगाइये, और न ठगियेकोइ। आपठग्याँ सुख ऊपजैं, औरठग्यादुख होइ।। **v)कथनीबिनाकरनीकोअंग** 1. पोथी पढ़ि पढ़ि जगमुवा, पंडितभया न कोइ। एकैअशिरपीवका, पढै सुपंडितहोइ।। **vi)भेषकोअंग** 1. तनकोजोगीसबकरै, मनकोंबिरलाकोइ। सबसिधि सहजैपाइए, जेमनजोगीहोइ।। 2. मालाफेरतजुगभया, पाय न मनकाफेर। करकामनकाछाँड़ि दे, मनकामनकाफेर।। **अध्यनार्थ विषय :** •कबीर का व्यक्तित्व एवं कृतित्व •कबीर की प्रगतिशीलता •कबीर की भक्तिभावना •कबीर का समाज सुधार •कबीर की भाषा •भावपक्ष, शिल्पपक्ष का अध्ययन।		
	मीराबाई के 10 पद (आरंभ के 10 पद) 1. मणथेंपरसहरिरेचरण।। 2. तनकहरिचितवांम्हारीओर।। 3. म्हारोगोकुलरोब्रजवासी।। 4. हेमाबड़ीबड़ीअंखियानवारो, सावंरोमोतन हेरतहंसिके।।		

इकाई–II	5. हेरीमानंदकोगुमानीम्हांरेमनड़ेबस्यो।। 6. थारो रूप देख्यांअटकी।। 7. निपटबंकटछबअंटके।। 8. म्हामोहणो रूप लुभाणी।। 9. संवरानंदनंदन, दीठपड्यांमाई।। 10. आलीरीम्हारे णेणांबाणपड़ी।। **अध्यनार्थविषय :** •मीराबाई का व्यक्तित्व, कृतित्व •मीराबाई की भक्ति •मीराबाई की प्रगतिशीलता •मीराबाई की भाषा •भावपक्ष, शिल्पपक्ष का अध्ययन।	1	15
इकाई–III	उपन्यास–स्वरूप, तत्व। उपन्यास कृति : **अंतिमसाक्ष –चंद्रकान्ता** लेखक का व्यक्तित्व एवं कृतिव कथ्यगत अध्ययन शिल्पगत अध्ययन	1	15

संदर्भ ग्रंथ :

1. कबीर ग्रंथावली–संपा. श्यामसुंदरदास, नागरीप्रचारिणी सभा, वारणसी
2. भक्ति, दर्शन और साहित्य –उमेश शर्मा, रचना प्रकाशन, मथुरा
3. मध्यकालीन लोकचेतना–संपा. डॉ. रविकुमारअनु, संजय प्रकाशन, दरियागंज, नईदिल्ली
4. दर्शन, साहित्य और समाज–शिवकुमार शर्मा, वाणी प्रकाशन, नईदिल्ली
5. कबीर ग्रंथावली–संपा. श्यामसुंदरदास, चंद्रलोक प्रकाशन, कानपुर
6. कबीर के आलोचक–डॉ. धर्मवीर, वाणी प्रकाशन, नईदिल्ली
7. कबीर–डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली
8. कबीर सौंदर्य भावना–डॉ. ब्रजभूषण शर्मा, वाणी प्रकाशन, नईदिल्ली
9. कबीर–हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली।
10. मीराबाई की पदावली–संपा. परषुराम चतुर्वेदी, वाणी प्रकाषन, नईदिल्ली।
11. षट्कवि : विवेचनात्मक अध्ययन–डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, निरालीप्रकाशन, पुणे
12. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य –डॉ. राजेंद्र खैरनार, दिव्य डिस्ट्रीब्यटर्स, कानपुर
13. साहित्यिक विधाऍं–डॉ. मधु धवन, वाणी प्रकाशन, नईदिल्ली
14. हिंदी नाटक में आधुनिक प्रवृत्तियॉं–डॉ. दमयंती श्रीवास्तव, राकाप्रकाशन, इलाहाबाद
15. हिंदी नाटक–बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नईदिल्ली
16. हिंदी नाटकः सिद्धांत और विवेचन–डॉ. गिरिश रस्तोगी, ग्रंथमप्रकाशन, कानपुर
17. नाट्यालेख –डॉ. तुकाराम पाटील, हृषिकेश प्रकाशन, पुणे
18. स्वांतत्र्योत्तर हिंदी रंगमंच–डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, अतुल प्रकाशन, कानपुर
19. हिंदी नाटक–परमेश्वरी शर्मा, संजय प्रकाशन, नईदिल्ली
20. उपन्यास का काव्यशास्त्र –बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नईदिल्ली
21. हिंदी उपन्यासः समकालीन विमर्श–डॉ. सत्यदेव त्रिपाठी, अमनप्रकाशन, कानपुर

—————————————

Choice Based Credit System Syllabus (2022 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **SYBA** (Sem III) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**: UAHN233 **Tittle of Course :**

उपन्यास तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1	3				3	3		3	
CO 2			3		3	3			
CO 3		3							
CO 4									
CO 5									
CO 6		3	2						
CO 7	3				3	3		3	
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल :

CO1- हिंदी उपन्यास एवं नाटक के विविध मानदंडों के आधार पर छात्रों में समीक्षण की क्षमता निर्माण होंगी।

CO7- समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होंगी।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO3- मध्ययुगीन संत एवं भक्तों के काव्य से छात्र परिचित होंगे।

CO6- विभिन्न समस्याओं से परिचित होंगे।

PO3: सामाजिक क्षमता :

CO2- छात्रों में हिंदी उपन्यास एवं नाटक के आस्वादन की क्षमता विकसित होंगी।

CO6- विभिन्न समस्याओं से परिचित होंगे।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5: व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :

CO1- हिंदी उपन्यास एवं नाटक के विविध मानदंडों के आधार पर छात्रों में समीक्षण की क्षमता निर्माण होंगी।

CO2- छात्रों में हिंदी उपन्यास एवं नाटक के आस्वादन की क्षमता विकसित होंगी।

CO7- समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होंगी।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO1- हिंदी उपन्यास एवं नाटक के विविध मानदंडों के आधार पर छात्रों में समीक्षण की क्षमता निर्माण होंगी।

CO2- छात्रों में हिंदी उपन्यास एवं नाटक के आस्वादन की क्षमता विकसित होंगी।

CO7- समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होंगी।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

CO1- हिंदी उपन्यास एवं नाटक के विविध मानदंडों के आधार पर छात्रों में समीक्षण की क्षमता निर्माण होंगी।

CO7- समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होंगी।

....